

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
सूचना एवं लोक संपर्क विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सूचना अनुभाग

देहरादून: दिनांक 20 मई, 2010

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु आयोजनागत पक्ष की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-187/XXVII (1)/2010, दिनांक 30 मार्च, 2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून हेतु वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-14 के लेखाशीर्षक-2220-सूचना तथा प्रचार के आयोजनागत पक्ष में रु0 48.25 लाख (रुपये अड़तालीस लाख पच्चीस हजार मात्र) की धनराशि निम्न विवरणानुसार व्यय करने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रु0 हजार में)

लेखाशीर्षक/उपलेखाशीर्षक	मानक मद	स्वीकृत की जा रही धनराशि
2220-सूचना तथा प्रसार 01-फिल्म 105-फिल्मों का निर्माण 04-न्यूजरील का निर्माण	31-सामग्री और सम्पूर्ति	350
	योग	350
2220-सूचना तथा प्रसार 01-फिल्म 105-फिल्मों का निर्माण 05-फिल्म यूनिट	31-सामग्री और सम्पूर्ति	500
	योग	500
2220-सूचना तथा प्रसार 01-फिल्म 105-फिल्मों का निर्माण 06-फिल्म परिषद् की स्थापना	42-अन्य व्यय	500
	योग	500
2220-सूचना तथा प्रसार 60-अन्य 101-विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार 03-गीत एवं नाट्य योजना	08-कार्यालय व्यय	500
	योग	500
2220-सूचना तथा प्रसार 60-अन्य 101-विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार 07-किसान मेला प्रदर्शनी का आयोजन 0701-किसान मेला प्रदर्शनी का आयोजन (राज्य सैक्टर)	19-विज्ञापन, विक्री और विख्यापन व्यय	100
	योग	100

2220-सूचना तथा प्रसार 60-अन्य 103-प्रेस सूचना सेवायें 03-उत्तराखण्ड में प्रेस क्लबों की स्थापना	20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायक 24-वृहत निर्माण कार्य	500 2000
	योग	2500
2220-सूचना तथा प्रसार 60-अन्य 110-प्रकाशन 04-प्रकाशन परियोजना	18-प्रकाशन	375
	योग	375
	महायोग	4825

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसी व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारियों की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये।

3- धनराशि उसी मद में व्यय किया जाये जिसके लिये स्वीकृत की जा रही हो। व्यय में मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों एवं उक्त शासनादेश दिनांक 30 मार्च, 2010 में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय एवं वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजें।

4- वित्तीय वर्ष 2010-11 में इसके पूर्ववर्ती वर्षों के एरियर भुगतान यदि कोई हो तो उसके विवरण की सूचना विभाग द्वारा अलग से रखी जायेगी।

5- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-14 के अंतर्गत लेखाशीर्षक -2220-सूचना तथा प्रचार के आयोजनागत पक्ष के अंतर्गत उपर्युक्त तालिका में इंगित लेखाशीर्षकों/मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

6- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-187/XXVII(1)/2010 दिनांक 30 मार्च, 2010 में प्राप्त दिशा निर्देश के अनुसार जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वल्दिया)

उप सचिव।

पृ0संख्या- 416 (1)/XXII/2010-7(2)2010, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 6- एन.आई.सी., सचिवालय परिसर।
- 7- गार्ड फाइल।

ओझा से,

(एस0एस0वल्दिया)

उपसचिव।